मौसेरी बहन के साथ पहला सेक्स

“फर्स्ट चुदाई हार्ड सेक्स कहानी में कई साल पहले मैं मौसी के घर रहने गया था, वहां उनकी बेटी के साथ यौनाकर्षण के चलते थोड़ी किसिंग वगैरा हुई थी. जब हम दोबारा मिले तो … …”

Story By: सैम 68 (sam6)
Posted: Sunday, December 29th, 2024
Categories: भाई बहन
Online version: मौसेरी बहन के साथ पहला सेक्स

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मौसेरी बहन के साथ पहला सेक्स

फर्स्ट चुदाई हार्ड सेक्स कहानी में कई साल पहले मैं मौसी के घर रहने गया था, वहां उनकी बेटी के साथ यौनाकर्षण के चलते थोड़ी किसिंग वगैरा हुई थी. जब हम दोबारा मिले तो …

दोस्तो, मेरा नाम सैम है, मैं 27 साल का हूँ, केरल से हूँ.

यह फर्स्ट चुदाई हार्ड सेक्स कहानी 2015 की है जब मैं अपनी परीक्षा के बाद छुट्टियां बिता रहा था.
तब मैं 19 साल का था.

यह अनुभव मेरे मौसेरी बहन के साथ हुआ था.
वह मुझसे उम्र में एक साल बड़ी है.
उसकी त्वचा का रंग सामान्य है और उस समय उसके स्तन औसत आकार के थे.
फिर भी मैं उन्हें अपने हाथों में लेना चाहता था.

मैं परीक्षा के नतीजों से रिलैक्स होने का इंतजार कर रहा था.

वह समय मुझे अपनी मौसेरी बहन जिश्ना (उसका असली नाम नहीं) के साथ बिताना अच्छा लगा.

हम दोनों एक ही कमरे में सोते थे लेकिन अलग-अलग बिस्तरों में.

एक रात मैं बिस्तर पर लेट कर फेसबुक चला रहा था.
तभी अचानक से वह मेरे सामने आकर खड़ी हो गई.

उसने मुझसे पूछा- क्या मैं तुम्हारे बगल में सो सकती हूं ? मुझे कुछ अच्छा महसूस नहीं हो रहा !

मैं उसके साथ सहज था क्योंकि उस समय मेरे मन में कोई गलत इरादा नहीं आया था.
कुछ समय बाद, वह मेरे फोन को देखने लगी कि मैं क्या कर रहा हूं.

करीब 10 मिनट के बाद उसने मुझसे पूछा- क्या मैं तुमसे कुछ पूछ सकती हूँ ?
मैं- हां, क्यों नहीं !

जिश्ना- क्या यह सच है कि लड़कों को सुबह हार्ड-ऑन होता है ?
मैं उसकी बात सुनकर हैरान था क्योंकि हमारे बीच कभी इस तरह की बातचीत नहीं हुई थी.

मैंने उसे अजीब नजरों से देखते हुए कहा- हां, यह सच है.
जिश्ना- अजीब नजरों से मत देखो, मैंने तुम्हें 2-3 बार हार्ड-ऑन करते देखा है.

मैं चुप था और मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं था.

जिश्ना- चुप मत रहो, इसमें तुम कुछ नहीं कर सकते, इसलिए खुल कर जवाब दो !
मैं- हां.
जिश्ना- अच्छा भैया, ऐसे खुले आम सवाल पूछ रही हूँ मैं तो आप मुझे बुरी मत समझना !

मैं अभी भी सिर्फ इसलिए चुप था क्योंकि मुझे नहीं पता था कि कैसे जवाब दूं या क्या प्रतिक्रिया दूं.

अचानक से मेरी बहन ने मेरी चुप्पी खत्म करने के लिए मुझे गुदगुदाना शुरू कर दिया.
धीरे-धीरे उसने मुझे हंसाया और अचानक नहीं पता कि क्या हुआ, उसने एक पल के लिए

गुदगुदी बंद कर दी.
मंद प्रकाश में मैंने उसकी आंखों में देखा, उसकी आंखें मुझे कुछ कहती सी लगी.
और उसके लबों पर एक छोटी सी मुस्कान थी.
उसका चेहरा मेरे बहुत करीब था.

धीरे-धीरे मुझे लगा कि उसकी सांसें गहरी होती जा रही हैं और मेरे चेहरे से टकरा रही हैं.
मैंने ज्यादा इंतजार नहीं किया और उस पल बस अपनी मौसेरी बहन के होंठों को चूम लिया.

वह मेरे जीवन का पहला रोमांटिक चुम्बन था.
हम दोनों इस चुम्बन को खत्म करने के लिए तैयार नहीं थे.

मैंने धीरे से उसके कूल्हों को पकड़ा और उसे अपने करीब खींच लिया.
फिर मैंने उसके बूब्स को सहलाया और उस गर्म चुंबन के दौरान उसके मम्मों को धीरे से मसला.

अचानक हमें कमरे के बाहर से शोर सुनाई दिया और हम अपने होश में आ गए.

वह अपने बिस्तर पर भागी.
मैं अभी भी सदमे में था.

उसके बाद मैं उत्तेजना के कारण सो नहीं सका.
मुझे नहीं पता कि खुद को कैसे समझाऊं.

उसके बाद हम दोनों किसी तरह सो गए.

हम दोनों सुबह ज्यादा बात नहीं कर पाए थे क्योंकि हम अभी भी शर्मिंदा थे.

उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं हुआ.
मेरा रिजल्ट आ गया और मैं अपनी डिग्री की पढ़ाई में व्यस्त हो गया था.

मुझे अपनी मौसेरी बहन के साथ रहने का समय नहीं मिल सका.
लेकिन मैं उसके साथ व्हाट्सएप पर संपर्क में था.

लेकिन 2020 में कोरोना के समय में चीजें बदल गई थीं.
वह मेरे घर रहने के लिए आई थी.
मेरे घर में मैं, मेरे पिता और माता जी थे.

जिश्ना शाम को आई थी, मैं उसे देखकर खुश हो गया और हम दोनों ने एक दूसरे को कस कर गले लगा लिया.

मैं महसूस कर सकता था कि उसके स्तन पहले से काफी बड़े हो गए थे.
पहले जब मैंने उन्हें अपने हाथों से पकड़ कर मसले थे, तब से अब में काफी फर्क आ गया था.

हम दोनों ने चाय पी और उसने मुझसे पूछा- क्या तुम मुझे रात में घुमाने ले जा सकते हो ?
लेकिन मां ने कहा- रात में बाइक की सवारी सुरक्षित नहीं.

उन्होंने मुझे शाम की चाय के ठीक बाद घुमाने के लिए ले जाने के लिए कहा.
वह खुश थी और मैं भी.

हम दोनों ने बाइक की सवारी का मजा लेना शुरू किया.

सवारी के दौरान उसने मुझे बहुत कसकर गले से लगाया जबकि मैं थोड़ा तेज हो रहा था.

बाद में मैं उसे एक झरने के पास ले गया जो मेरे घर से 30 मिनट की दूरी पर था.

हम बाइक पर बैठे थे और इसके नजारे का आनन्द ले रहे थे.
स्वच्छंद जीवन, प्रेमी-प्रेमिका आदि के बारे में कुछ गपशप कर रहे थे.

अचानक मेरी मौसेरी बहन ने मुझसे उस रात के बारे में पूछा जब हमने किस किया था.
हम दोनों उसी के बारे में बात करने लगे.

जिश्ना- वह मेरा पहला किस था.
मैं- मेरा तो अब तक का वही एक किस था!

जिश्ना- क्या … तुमने उसके बाद किसी को किस नहीं किया?
मैं- नहीं, क्या तुमने?
जिश्ना- नहीं.

अभी मैं कुछ कहता कि उसी समय मां ने मुझे फोन किया.
वे हमसे हमारे ठिकाने के बारे में पूछ रही थीं और उन्होंने हमें जल्दी घर आने के लिए कहा क्योंकि पहले ही काफी देर हो चुकी थी.

करीब साढ़े सात बजे हम दोनों घर वापस पहुंचे.
मां ने हम दोनों को नहाने के लिए कहा क्योंकि यह कोविड महामारी की शुरुआत थी.

मैं नहाने के लिए ऊपर गया और उस चुंबन वाली रात में जो हुआ था, उसके बारे में सोचते हुए हस्तमैथुन किया.

भले ही वह पहले की बात थी, लेकिन अभी भी उसे सोच कर उत्तेजना भर आई थी.

बाद में हम सबने खाना खाया और सो गए.
मेरे मौसेरी बहन ने मेरी मां से कहा कि वह मेरे साथ एक डरावनी फिल्म देखना चाहती है

क्योंकि मेरे पास डरावनी फिल्मों का एक बड़ा संग्रह है.

मां ने कहा- ठीक है.

वह मेरे साथ फिल्म देखने ऊपर वाले कमरे में आ गई.
मैं उससे किसी तरह की अपेक्षा के कारण उत्साहित था.

जैसे ही हम कमरे में पहुंचे, मेरी बहन बिस्तर पर धम्म से लेट गई और उसने अपनी टांगें फैला कर एक अंगड़ाई ली.
मैं उसे कामुक भाव से देखने लगा.

उसने मुझे देख कर मुस्कान दी और मेरा लैपटॉप उठा लिया.

उसके बाद उसने मुझसे अब तक की सबसे अच्छी हॉरर फिल्म देखने के लिए कहा.
मैंने कहा- ओके मैं वॉशरूम से वापस आता हूँ, फिर हम दोनों साथ में देखते हैं.

जब मैं वाशरूम से वापस आया तो वह मेरा लैपटॉप ब्राउज़ कर रही थी.
मैंने उससे लैपटॉप लिया और 'द नन' फिल्म खोली.

हम दोनों उस फिल्म को देखने लगे.
वह फिल्म में बहुत अधिक डरावनी थी और उसमें सेक्सी सीन भी थे.
मैं उसके साथ एकदम चिपका हुआ था.

लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, मेरी उम्मीदें कम होती जा रही थीं.
उसकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया ऐसी नहीं हुई थी जिससे मेरे लौड़े को कुछ खुशी मिल सके.

लगभग एक घंटा बाद उसने कहा कि उसे नींद आ रही है.
मैंने लैपटॉप एक तरफ रख दिया और बिस्तर पर लेट गया.

मैं बिस्तर पर सीधा लेटा हुआ सोच रहा था कि आगे क्या होगा.
उसी समय उसके हाथ मेरी ओर आ गए.

जिश्ना- पास आओ और मुझे गले लगाओ ना!

मैं उसकी ओर मुड़ा और उसे धीरे से गले लगा लिया.

मैं- अब ठीक है?
जिश्ना- नहीं.

मैंने उसे कसकर गले से लगा लिया.

मैं- अब कैसा फ़ील कर रही हो?
जिश्ना- अच्छा फ़ील नहीं कर रही हूँ!

मैंने उसकी आंखों में आंखें डालते हुए देखा और पूछा- मैं और क्या कर सकता हूँ?
जिश्ना- बस मुझे वैसे ही चूमो, जैसे सालों पहले तुमने मुझे चूमा था!

मेरा दिल जोरों से धड़क रहा था और मैंने धीरे-धीरे अपनी बहन को चूमा.
शुरुआत में यह नर्म था, पर बाद में यह चुंबन फेंच किस में तबदील होता गया.

मैंने अपना हाथ उसके पेट पर रखा और उसे चूमते हुए उसकी टी-शर्ट को ऊपर उठा दिया और उसके बूब्स को उसकी ब्रा के ऊपर से पकड़ लिया.

जंगलीपने से भरे हुए इस चुंबन ने मुझे जंगली चाल चलने के लिए प्रोत्साहित किया.

मैंने अपनी मौसेरी बहन के बूब्स को इतनी जोर से निचोड़ा जैसे उनसे दूध खींचने का प्रयास कर रहा हूँ.

फिर मैंने उसे बिठाया और हम दोनों एक दूसरे की मदद करके अपने अपने कपड़े उतरवाकर आधे नंगे हो गए.
मैंने उसकी ब्रा उतार दी और उसके स्तनों पर झपट कर उसके स्तनों और निप्पलों को चूसना शुरू कर दिया.

अब मैं उसके दोनों मम्मों के साथ जोर-जोर से खेल रहा था.
जिश्ना- आह … और जोर से चूसो. आह्ह आह … आह्ह्ह … उफ्फ इन्हें अपने मुँह में ले लो.

मैं उसके निप्पलों को मरोड़ कर चूसने में लीन था.

फिर मैंने उसके एक दूध को अपने हाथ में पकड़ लिया और दूसरे दूध को चूसते हुए उसके बूब्स पर थप्पड़ मारने लगा.

जिश्ना- उफ्फ … मुझे कुचल दो … मैं तो सातवें आसमान पर हूं … आह्ह और जोर जोर से थप्पड़ मारो … मैं आज रात तुम्हारी हूं.

उसके बूब्स से काफी देर तक खेलने के बाद मैं नीचे को सरक गया और उसकी पैंट उतार दी.
मैंने उसकी टाँगें फैला दीं और अपना चेहरा उसकी टाँगों के बीच रख दिया.

मैंने अपनी उंगलियां उसकी पैंटी पर रखीं और उसकी मदमस्त चूत के छेद को देखने के लिए पैंटी को नीचे सरका दिया.

मैं अपनी मौसेरी बहन की चूत के होंठों को चूमने के लिए आगे बढ़ा और जैसे ही मैंने अपना मुँह चूत से लगाया कि अचानक से उसके शरीर को झटका लगा.
मुझे पता था कि वह इस तरह के प्यार का ही इंतजार कर रही थी.

धीरे-धीरे मैंने अपनी जीभ को उसकी बुर की क्लिट के ऊपर रख दिया और उसकी पूरी चूत को चाटने लगा.
अपनी चूत चटवाती हुई वह अपने कूल्हों को ऊपर नीचे कर रही थी.

जिश्ना- हां अह्ह्ह … वहीं … आह जोर से चाटो … आह्ह … मम्म !

मैंने उसकी बुर चाटने की रफ्तार बढ़ा दी. तभी मैंने उसे जंगली होते देखा और वह किसी मशीन की तरह से मेरे मुँह पर अपनी बुर को रगड़ने लगी.
तभी अचानक से उसने आह की आवाज के साथ अपनी बुर से रस छोड़ दिया और उसकी बुर से निकला सारा रस मेरे मुँह में डालने लगी.

मैंने उसका सारा रस चाट लिया. हम दोनों अलग हो गए.

कुछ देर बाद वह वापस मेरे ऊपर चढ़ गई और उसने मेरी पैंट उतार दी.
उसने मेरे लंड को अपने मुँह में ले लिया और जोर जोर से चूसना चालू कर दिया.

मैं भी अपने लौड़े को चुसवाते हुए पागल हो रहा था.
तभी मैंने उससे 69 के लिए कहा. जिस पर उसने हां कहा.

हम दोनों इतने आनन्द में थे कि कुछ भी कर गुजरने को आमादा थे.
मैंने उससे पूछा- क्या हम दोनों इस खेल को और आगे बढ़ा सकते हैं ?
उसने सहज ही हाँ कर दी.

मैं उसे बिस्तर पर चुदाई के लिए ले गया और उसकी पैंटी को टांगों से अलग करके अपना लंड उसकी चूत के ऊपर रख दिया.

धीरे-धीरे मैंने लंड को अन्दर धकेलने की कोशिश की.

मेरी बहन लगातार मुझसे धीरे करने को कह रही थी क्योंकि उसे दर्द हो रहा था.

जबकि मुझे इतना अधिक मजा आ रहा था कि उस वक्त मेरा मूड कुछ भी सुनने का नहीं था.

मैं लंड पेल कर आगे को झुका, उसके होंठों को जोर से चूमा और धीरे से अपना लंड अपनी मौसेरी बहन की चूत में घुसेड़ दिया.
उसकी बुर में लंड अन्दर ठाँसते वक्त बीच में मुझे कुछ अवरोध सा महसूस हुआ.

मुझे पता चल गया था कि मुझे क्या तोड़ना है.
मैंने उसे एक ज़ोरदार किस दिया और अपने लंड को ज़ोर से उसके अन्दर धकेल दिया.

मेरा लंड पूरी तरह से मेरी मौसेरी बहन की बुर के अन्दर था.
वह मुझसे इसे निकालने के लिए विनती कर रही थी लेकिन मुझे पता था कि यह दर्द केवल कुछ ही मिनटों की बात है.

मैं उसकी गर्दन और होंठों को चूमता रहा और धीरे-धीरे उसकी चुदाई करने लगा.
कुछ देर बाद उसका दर्द खुशी में बदल गया.

जिश्ना- आह … अब मुझे जोर से चोदो … धीरे धीरे मत करो … पूरी ताकत से चोदो.

मैं अपनी मौसेरी बहन के मुँह से बस यही सुनना चाहता था.
मैंने उसे बहुत तेज रफ्तार से चोदा और हर स्ट्रोक के साथ उसके मम्मों को मस्त उछलते हुए देखा.

हम दोनों ने उस रात अलग-अलग पोजीशन में चुदाई का मजा लिया और करीब 20 मिनट तक सेक्स किया.

फर्स्ट चुदाई हार्ड सेक्स की वह रात अविस्मरणीय थी.

उसके बाद हर रात को हम दोनों फिल्म देखने की बात कह कर सेक्स करने आ जाते थे. जब तक वह वापस चली न गई, हम दोनों ने रोज जबरदस्त सेक्स किया.

हाल ही में उसकी शादी हुई है और अब वह खुशहाल जिंदगी जी रही है.

आप मुझे जरूर बताएं कि आपको मेरी यह फर्स्ट चुदाई हार्ड सेक्स कहानी कैसी लगी.
sam682320@gmail.com

लेखक की पिछली कहानी थी : मासी और उनकी सहेली संग चुदाई के मजे

Other stories you may be interested in

कॉलेज फ्रेंड का प्यार पाने के लिए चुत चुदवाई- 1

लव लव Xx कहानी में मुझे मेरे साथ पढ़ने वाले एक स्मार्ट लड़के से प्यार हो गया. लेकिन उसने मेरा प्यार ठुकरा दिया. तब मेरी एक सहेली ने मुझे सेक्सी बनने की सलाह दी. यह कहानी सुनें. आप सभी पाठकों […]
Full Story >>>

जीजू से गांड मरवाकर बना जीजी का सौतन

गे बॉय गांड Xxx कहानी में मैं अपनी रिश्तेदारी में शादी में गया तो रिश्ते में मेरे जीजू से मिला। जीजू का जिम वाला बदन देख मेरी गांड में खुजली होने लगी. मैंने जीजू को पटाना शुरू किया. नमस्कार दोस्तो, […]
Full Story >>>

सेक्स की प्यासी सलहज को लंड दिया

Xxx चुदाई हॉट कहानी में मेरी बीवी को चुदाई पसंद नहीं थी. मेरी सलहज बहुत हॉट थी. मैंने उसे ट्राई किया तो वह भी लंड की कमी से जूझ रही थी. मैंने उसे कैसे चोदा ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम गौरव […]
Full Story >>>

महीने की सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का चुनाव

सविता के लेट आने और काम ना करने को लेकर फरहान तंग आ गया. उसने पूरी रात काम किया लेकिन बॉस ने उसे प्रोत्साहित नहीं किया. क्रोधित फरहान ने सविता की कामचोरी की शिकायत की पर बड़े साहब सविता की […]
Full Story >>>

अनजान शहर में पहली बार चूत मिली

इंडियन सेक्सी लड़की की चुदाई कहानी में मैं कमरा किराये पर लेकर रहता था. साथ वाले कमरों में लड़कियां रहती थी. उनमें से एक लड़की से मेरी दोस्ती हो गयी. उसने मुझे हॉट वीडियो भेजी. यह मेरी पहली सच्ची सेक्स […]
Full Story >>>